ssnewsmp | SSNewsmp | ssnewsmp | Telegram - ssnewsmp | Android App - SSNews India | website;www.ssnewsmp.com

उज्जैन ,इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

शब्द सरोवर

जहाँ खबर,वहाँ नजर

सांध्य दैनिक

वर्ष 31 अंक-311 | उज्जैन,मंगलवार 19 मार्च 2024 | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपए

लोकसभा चुनाव में शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों के अवकाश पर लगाया प्रतिबंध

भोपाल। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के साथ ही तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। चुनाव को देखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के शासकीय, अर्द्ध शासकीय विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में कार्यरत शासकीय सेवकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशानुसार आगामी आदेश तक समस्त प्रकार के आकस्मिक एवं अर्जित अवकाश प्रतिबंधित रहेंगे।इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव को देखते हुए केन्द्र एवं राज्य सरकार के शासकीय, अर्धशासकीय शासकीय सेवकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिये गये है। इसमें सभी प्रकार के आकस्मिक एवं अर्जित अवकाश प्रतिबंधित रहेंगे। यदि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को 2 दिवस से अधिक का आकस्मिक अवकाश की आवश्यकता होने पर कार्यालय प्रमुख प्रस्ताव भेजेंगे।

मोदी कैबिनेट से पशुपति पारस का इस्तीफा

बोले- मेरे साथ नाइंसाफी हुई, हाजीपुर से ही लड़ूंगा चुनाव

पटना। बिहार एनडीए में सीटों के बंटवारे पर मचे सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है। वे हर हाल में हाजीपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, चाहे इसके लिए किसी भी गठबंधन में जाना पड़े।

बता दें, एक दिन पहले हुए एनडीए के सीटों के बंटवारे में लोक जनशक्ति पार्टी के पशुपति पारस धड़े को एक भी सीट नहीं दी गई, जबकि रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को 5 सीट दी गई है। इसके बाद से पशुपति पारस नाराज बताए जा रहे थे।अब तय माना

जा रहा है कि हाजीपुर सीट पर चाचा और भजीते का मुकाबला होगा। सीटों के बंटबारे के अनुसार, लोकसभा की 40 सीटों वाले बिहार में भाजपा सबसे ज्यादा 17 सीटों पर लड़ेगी। जदयू को 16 और लोजपा (रामविलास) को पांच सीटें मिली हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) को एक-एक सीट मिली हैं।तीन वर्ष पहले रामविलास पासवान के निधन के बाद लोजपा को तोड़कर केंद्र में मंत्री बनने वाले पशुपति कुमार पारस खाली हाथ रह गए। भतीजा चिराग पासवान अबकी बार उन पर भारी पड़ गया। पार्टी में टूट के बाद हुए नुकसान की भरपाई करते हुए चिराग ने अपने पिता की परंपरागत सीट हाजीपुर को वापस ले लिया, जिसके बाद पारस का राजग से रिश्ता टूट गया।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ दायर 230 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) लागू करने की अधिसूचना जारी करने के बाद इसका विरोध जारी है। ताजा खबर यह है कि सीएए के खिलाफ दायर 230 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होगी।याचिकाओं की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा की जाएगी, जिसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल होंगे।पिछले हफ्ते वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष केरल स्थित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा दायर एक याचिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि सीएए को लागू करने का केंद्र का कदम संदिग्ध था क्योंकि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले ऐसा किया गया।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मुठभेड़, 36 लाख के चार इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर/सुकमा। लोकसभा चुनाव से पहले नक्सली बड़ी वारदात को अंजाम देने की लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा बल के जवानों ने नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। दरअसल, छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मंगलवार सुबह जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में 36 लाख के चार इनामी नक्सली मारे गए। हालांकि, सर्चिंग के बाद जवानों ने मौके से एके 47 समेत कई हथियार बरामद किया है। यह मुठभेड़ गढ़चिरौली के कोलामार्का के जंगलों में हुई है।दरअसल, गढ़चिरौली पुलिस को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर कोलामार्का के जंगलों में बड़े नक्सलियों की मौजूदगी की खबर मिली। इस पर जवानों ने नक्सलियों को घेरने सर्चिंग अभियान शुरू किया। मंगलवार सुबह सी-60 कमांडो ने कोलामार्का के जंगलों में नक्सलियों को घेर लिया।नक्सलियों ने अपने आप को घिरा पाकर जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। सी-60 कमांडो के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया। सी-60 कमांडो के जवानों ने मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए चार नक्सलियों को मार गिराया।

ईडी के बयान पर आप का जवाब, जांच एजेंसी भाजपा की एजेंट, केजरीवाल के खिलाफ एक भी सबूत नहीं

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीतिक शाखा करार दिया है और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उसके आरोपों को सरासर और तुच्छ झूठ करार दिया है। भाजपा ने आप पर पलटवार करते हुए अरविंद केजरीवाल को भ्रष्ट और लालची ठग बताया। ईडी ने सोमवार को दावा किया कि बीआरएस नेता के कविता और कुछ अन्य लोगों ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसौदिया सहित शीर्ष आप नेताओं के साथ दिल्ली पर शासन करने वाले राजनीतिक दल को 100 करोड़ का भुगतान करके अब समाप्त हो चुकी दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में लाभ पाने के लिए साजिश रची। आप मंत्री आतिशी ने कहा कि ईडी प्रेस विज्ञप्ति क्यों जारी कर रहा है? क्या यह एक राजनीतिक दल है? राजनीतिक दलों द्वारा पीसी दी जाती है। ईडी

द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करना अपने आप में एक बड़ा सवाल है..इससे पता चलता है कि ईडी महज बीजेपी और पीएम मोदी का राजनीतिक हथियार बनकर रह गई है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सहित पूरे भारत में जो कुछ हो रहा है, उससे यह समझ आ रहा है कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही है...भाजपा की विश्वसनीयता खत्म हो गई है...यह मामला फर्जी (आबकारी नीति घोटाला) है, उन्होंने दो साल से छापेमारी कर रही है लेकिन अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है।दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल ने आज फिर ई.डी. के समक्ष पेश ना हो कर यह स्थापित कर दिया कि वह जांच का सामना करने की स्थिति में नही हैं। केजरीवाल जानते हैं कि उनके खोखले तर्क प्रेस कॉन्फ्रेंसों में तो चल सकते हैं पर जांच अथवा न्यायिक अधिकारियों के समक्ष नहीं टिक सकते और इसीलिए वह जांच से भाग रहे हैं। केजरीवाल के जीवन में सम्मान खत्म हो चुका है, अब उनके चारों ओर सम्मन ही सम्मन हैं जिनसे वह छिपते भाग रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड की जिस जांच के मामले में आज अरविंद केजरीवाल पेश नहीं हुऐ उससे स्पष्ट हो गया है कि केजरीवाल भ्रष्ट हैं। अधिकारियों की सिफारिश के बावजूद प्रतिबंधित कम्पनी को ठेका देने से स्पष्ट है कि केजरीवाल सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जलबोर्ड एक वो दाल है जिसमें सिर्फ कुछ काला नहीं है, पूरी की पूरी दाल ही काली है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश से नहीं लड़ेंगे चुनाव

नईदिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले एक बड़े घटनाक्रम में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश से चुनाव नहीं लड़ेंगे। पहले यह अनुमान लगाया गया था कि राहुल गांधी अमेठी से और प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं, यह सीट पहले सोनिया गांधी के पास थी। दोनों सीटें गांधी परिवार का गढ़ मानी जाती थीं।26 अप्रैल के लोकसभा चुनावों से पहले, मुख्य रूप से ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, ने एक बार फिर राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि कांग्रेस ने गांधी को अपने गढ़ से फिर से मैदान में उतारने का फैसला किया है।राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है कि क्या वायनाड में गांधी की उम्मीदवारी से केरल में एक बार फिर जीत हासिल करने की कांग्रेस की संभावना बढ़ जाएगी। 2019 में, वायनाड में गांधी की उपस्थिति महत्वपूर्ण साबित हुई क्योंकि उन्होंने चार लाख से अधिक वोटों के प्रभावशाली अंतर से जीत हासिल की। हालाँकि, इस जीत के बावजूद, गांधी को अपने पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र, अमेठी, उत्तर प्रदेश में भाजपा की स्मृति ईरानी से हार का सामना करना पड़ा।

बाबा रामदेव को भ्रामक विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट ने थमा दिया अवमानना नोटिस

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव को पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों पर दो सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को भी पेश होने के लिए कहा गया है।मंगलवार का फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले महीने पतंजलि को दिए गए अवमानना नोटिस के बाद आया है, जो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा पतंजलि आयुर्वेद के कथित भ्रामक विज्ञापनों के प्रसार के खिलाफ याचिका दायर करने के बाद आया था।

शिवपुरी की छात्रा का कोटा में अपहरण कर मांगे 30 लाख, पिता को भेजे बच्ची के हाथ-पैर बंधे फोटो

शिवपुरी। शिवपुरी से कोटा पढ़ने के लिए गई एक छात्रा का वहां अपहरण हो गया। सोमवार को छात्रा के पिता को बदमाशों ने बेटी के हाथ पैर बांधे हुए फोटो भेजकर 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी है। कोटा पुलिस लड़की की तलाश में जुटी है।जानकारी के अनुसार बैराड़ के स्कूल संचालक रघुवीर धाकड़ की बेटी काव्य धाकड़ कोटा में रह कर पढ़ाई कर रही थी। पिता के अनुसार सोमवार को उन्हें व्हाट्सएप पर बेटी के फोटो भेजकर 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। बदमाशों ने अकाउंट नंबर भी भेजा है। अपहरणकर्ताओं ने मंगलवार शाम तक का समय दिया है।रघुवीर के अनुसार करीब तीन साल पहले उसकी बेटी इंदौर रहकर पढ़ाई कर रही थी। तब पोहरी का एक लड़का उसे इंदौर में परेशान करता था जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में की थी। तब पुलिस ने लड़के को पीटा था। इसके बाद उस लड़के ने काव्या का नंबर बदमाशों में बांट दिया। इसके बाद पिता ने बेटी को शिवपुरी वापस बुला लिया।करीब पांच महीने पहले उसे फिर से कोटा पढ़ने के लिए भेजा था। वहां विज्ञान नगर में किराए से रहकर वह नीट की कोचिंग कर रही थी। रविवार को लड़की की स्वजन से बात भी हुई थी। अब उसके साथ घटना हो गई। बताया जा रहा है कि पुलिस को अपहरण के संबंध में अहम सुराग हाथ लगे हैं। देर रात 3 बजे एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है।

इंदौर के इस्कॉन मंदिर में साड़ी कल्चर के साथ ब्रज की होली का भव्य आयोजन

सुरमई भजन कीर्तन ने समां बांधा

इंदौर। इंदौर के इस्कॉन मंदिर में साड़ी कल्चर इंडिया द्वारा इंदौरी बृज होली का भव्य आयोजन किया गया। इस्कॉन के इंदौर प्रमुख इस इंदौरी बृज होली में उपस्थित रहे तथा इस उपलक्ष्य में सुरमई भजन कीर्तन करवाए ।

साड़ी कल्चर इंडिया की फाउंडर सुनीला दुबे , को - फाउंडर सोनू उदावत एवम रोटेरियन घनश्याम सिंह ने बताया कि इस मौके पर 600 से ज्यादा महिलाएं एवम बच्चे अपने परिवार के साथ शामिल हुए एवम इस कार्यक्रम का आनंद लिया। सभी भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में आए एवम फूलों की होली का सभी ने बहुत आनंद लिया। गायिका नीता नामदेव ने भी होली के गीतों से समा बांध दिया जिसमे लोगो को खूब नृत्य करवाया।

विशेष अतिथि सांसद शंकर लालवानी जी रहे। मुंबई से टेलीवीजन और फिल्म की जानी मानी हस्ती एवम कलाकार नीलेश मालवीय ने अपनी उपस्थिति दे कर प्रोग्राम में और चार चाँद लगा दिये. ।हमारे विशेष अतिथि डी एस पी उमाकांत चौधरी , पार्षद मुद्रा शास्त्री, मंजू सोनी, सी ए घनश्याम सिंग, मंजू मिश्रा, पूर्व न्यायाधीश सुचित्रा दुबे, रितु केडिया, अर्चना शर्मा , श्रद्धा पंडित, श्वेता खनुजा , प्रेरणा सक्सेना, नीता जोशी, कार्तिक, साक्षी, नंदिता, रीमा एवम डी एच एल इंफ्रा के एम डी संतोष सिंह जी उपस्थित रहे।

रमेश मेंदोला ने कांग्रेस पर कसा तंज, बोले राजवाड़ा पर टांग दिया है टिकट, जिसे चाहिए जाकर ले ले

इंदौर, । जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं दोनों प्रमुख राजनितिक दल के नेताओं के बीच शाब्दिक हमले तेज हो गए हैं। कांग्रेस से प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी को टिकट देने की चर्चाओं के बीच भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट डाली है।इसमें उन्होंने कहा है कि कांग्रेस जीतू पटवारी को क्यों बली का बकरा बना रही है। मेरा आग्रह है कि उनकी जगह आप इंदौर से राहुल गांधी को टिकट दीजिए। हमारा इंदौर मोदी परिवार राहुल गांधी को कम से कम सात लाख मतों की हार का उपहार देकर विदा करेगा।यह अहंकार नहीं हमारा विश्वास है। सोमवार को ही भाजपा की ओर से बीजेपी इंदौर महानगर डिस्ट्रिक्ट के अकाउंट से इंटरनेट मीडिया पर एक ओर पोस्ट की है। इसमें कहा है कि इंदौर लोकसभा का टिकट कांग्रेस ने राजवाड़ा पर टांग दिया है। जिस भी सज्जन को लेना है वे तुरंत राजवाड़ा पहुंचे।

मैं निगमायुक्त शिवम वर्मा बोल रहा हूं, आपने शिकायत की थी, हल हुई या नहीं, फोन पर बात कर जानी वास्तविकता

इंदौर, । निगमायुक्त शिवम वर्मा ने सोमवार को औचक निरीक्षण पर जोन क्रमांक नौ पहुंचे। उन्होंने यहां की व्यवस्था देखी और कंट्रोल रूम में रखे गए शिकायतपंजी का अवलोकन किया। इस पंजी में दर्ज एक शिकायत को लेकर उन्होंने शिकायतकर्ता से टेलीफोन लगाकर बात की।यह शिकायत चेंबर के संबंध में थी। निगमायुक्त ने शिकायतकर्ता तो त्वरीत निराकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद निगमायुक्त ने जोन क्षेत्र में शौचालय आदि की सफाई व्यवस्था तथा 56 दुकान का निरीक्षण भी किया।उन्होंने यहां समूचित सफाई व्यवस्था

बनाए रखने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रोजाना कम से कम 3-4 शिकायतकर्ताओं से बात करें और उनकी शिकायत के निराकरण के संबंध में जानकारी लें।निगमायुक्त ने जोनल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान यह बात भी देखी कि शिकायतों का किस प्रकार से निराकरण किया जाता है और कौन सी शिकायत किस विभाग में भेजी जाती है। रोजाना कितनी शिकायतें प्राप्त होती है, कितने समय में शिकायत निराकरण की जाती हैं। उन्होंने शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। निगमायुक्त वल्लभ नगर के करीब स्थिति थ्री-आर सेंटर भी गए और जानकारी ली।

इंदौर बनेगा डाग बाइट फ्री सिटी

प्रतिदिन 200 श्वानों की नसबंदी का लक्ष्य तय किया

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को डाग बाइट फ्री सिटी बनाने की कवायद जिला प्रशासन ने शुरू की है। आगामी छह माह में बचे सभी श्वानों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। इससे श्वानों की जन्मदर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। शहर में प्रतिदिन 200 श्वानों की नसबंदी का लक्ष्य तय किया गया है। नसबंदी से बचे श्वानों की एक सप्ताह में सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद शत-प्रतिशत नसबंदी की मुहिम शुरू होगी।

शहर के गली-मोहल्लों में आए दिन डाग बाइट की घटनाएं सामने आती हैं। सैकड़ों लोग रैबीज का टीका लगाने के लिए अस्पताल पहुंचते हैं। शहर में बढ़ रही श्वानों की संख्या को

नियंत्रित करने के लिए लगातार मांग उठती रही। अब जिला प्रशासन ने डाग बाइट की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। इसे लेकर सोमवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में बैठक हुई। इसमें बताया गया कि एनिमल ब्रीडिंग कंट्रोल प्रोग्राम के तहत श्वानों की शत-प्रतिशत नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शहर में वर्ष 2014-15 से श्वानों की नसबंदी का अभियान चल रहा है। अब तक दो लाख श्वानों की नसबंदी की जा चुकी है। आंकड़ों के अनुसार 50 हजार के करीब श्वानों की नसबंदी अब भी शेष है। दो एजेंसियां श्वानों की नसबंदी करने का काम कर रही है। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डा. उत्तम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी और नसबंदी कार्य में संलग्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव की वजह से राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 बढ़ सकती है आगे

इंदौर । लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग 28 अप्रैल को होने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 को स्थगित करने का विचार कर रहा है। आयोग अगले कुछ दिनों में निर्णय ले सकता है, क्योंकि मतदान विभिन्न चरणों में होगा। ऐसे में कई जिलों में अलग-अलग तारीख को मतदान रखा गया है। कालजों को मतदान केंद्र बनाया जाएगा। शिक्षकों व अधिकारियों की निवार्चन कार्य में ड्यूटी लगाई जाएगी।

।।शोक संदेश।।

भारत निर्वाचन आयोग के नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर रमेश कुमार पाण्डे जी के पूज्य पिताजी एस एन पाण्डे जी सेवा निवृत्त अधिकारी सर्वे ऑफ इंडिया का देवलोक गमन दिनांक 17 मार्च 2024 को सायंकाल 5 बजे इंदौर में हो गया है।

शोक बैठक स्थान
निज निवास।
रमेश कुमार पाण्डे
(+91 98266 19352)
152-DK 1...74-C स्कीम 74
प्रेस्टीज स्कूल के पास, विजयनगर,इंदौर।
-प्रतिदिन-
शाम 5 बजे से 7 बजे तक।
ऊँ शान्ति।

इंदौर के लवकुश चौराहा फ्लाईओवर की एक भुजा की पीएससी गर्डर पर स्लैब का काम शुरू

इंदौर। लवकुश चौराहे पर छह लेन फ्लाईओवर की एक भुजा को अप्रैल तक पूरा करने की कवायद की जा रही है। एमआर-10 से सुपरकारिडोर की तरफ जाने वाली भुजा के पिलर पर पीएससी गर्डर की लांचिंग के बाद अब स्लैब डालने का काम शुरू हो चुका है। चौराहे पर 45 मीटर लंबी स्टील गर्डर की लांचिंग भी जल्द की जाएगी।

सभी अधिकारी कर्मचारी पूरी सजगता और सतर्कता से आदर्श आचरण संहिता का पालन करें-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह

स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत प्रभावी ढंग से जनजागरुकता के अभियान चलाएं , संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत राजनैतिक संबद्धता की सामग्री हटाएं , प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए दी गई ईवीएम मशीनों का पूरी गंभीरता से उद्देश्यपूर्ण उपयोग करें , चैक पोस्ट्स एक्टिव कर निर्वाचन को प्रभावित करने वाली सामग्रियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएं ,मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं , कलेक्टर ने स्वयं कॉल कर जांची शिकायत निराकरण सेल के कार्यों की गुणवत्ता

उज्जैन / कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने कहा है कि लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हैं। जो निर्वाचन समाप्ति तक जारी रहेगी। सभी विभागीय अधिकारी आदर्श आचरण संहिता के दिशा निर्देशों का पूरी सजगता और सतर्कता से पालन के साथ अपने अधीनस्थ अमले से भी पालन कराएं। एमसीसी उल्लंघन की दशा में संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत 72 घंटे तक की जानकारी कार्यवाही पूर्ण कराएं। इस आशय की रिपोर्ट भेजें। शासकीय, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से राजनैतिक संबद्धता की प्रचार सामग्री हटाएं जाएं। निजी संपतियों से अनाधिकृत प्रचार सामग्रीयों को भी हटाएं। हटाएं गए होर्डिंग्स पर स्वीप गतिविधियों की प्रचार प्रसार की सामग्री लगाई जाएं।

यह निर्देश सोमवार को प्रशासनीक संकुल भवन में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों को दिए। बताया गया कि निर्वाचन के दौरान सभी राजनैतिक अनुमतियां संबंधित ईआरओ द्वारा दी जाएगी। दो विधानसभाओं की अनुमतियां के संबंध में अपर कलेक्टर द्वारा दी जाएगी।

बैठक में सभी अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता के दिशा निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया की आदर्श आचरण संहिता के दौरान मौके पर शुरू हो चुके निर्माण कार्य सतत जारी रहेगें। इस दौरान नए कार्य प्रारंभ नहीं होंगे। इसी प्रकार पीडीएस वितरण, अनुज्ञप्तियां जारी करना, राजस्व प्रकरणों का निराकरण, शिकायतों का निराकरण, पूर्व से जुड़े हितग्राहियों के कार्य इत्यादि योजनाओं में कार्य जारी रहेगा। नवीन हितग्राही नहीं जोड़े जा सकेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि समस्त विभागीय अधिकारी और मैदानी अमला सोशल मीडिया का सतर्कता से उपयोग करें। बिना पड़े किसी भी सामग्री को शेयर नहीं किया जाएं। उन्होंने सभी शासकीय अधिकारी कर्मचारियों का डेटाबेस आगामी 2 दिनों में अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को दिए गए शासकीय वाहन वापस लेने की भी कार्यवाही कराएं।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नोडल अधिकारियों और सहयक नोडल अधिकारियों को सौपे गए कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मास्टर्स ट्रेनर्स , राजनैतिक दलों, निर्वाचन में संलग्न सभी अधिकारियों कर्मचारियों के ट्रेनिंग का शेड्यूल जारी करें। सभी चेकपोस्ट को एक्टिव कर नियुक्त दल को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएं। रेल्वे स्टेशन और बस स्टैंड्स पर भी चेक पॉइंट बनाकर निर्वाचन को प्रभावित करने वाली सामग्रियों की जांच की जाएं। निर्वाचन के लिए आवश्यक समस्त सामग्रीयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। परिवहन प्रबंधन के लिए वाहनों की भी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं। वेबकास्टिंग के लिए मतदान केंद्रों को चिन्हित करने की कार्यवाही कराएं। ईआरओ ईवीएम प्रदर्शन केंद्रो का प्रभावी ढंग से संचालन कराएं। बिना ट्रेनिंग के स्थान और समय के बैकड्रॉप के ईवीएम मशीन का उपयोग न हो। आगामी दो दिवस में श्रेडिंग मशीन भी क्रय करने के कार्यवाही भी करें। प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए दी गई ईवीएम मशीनों का पूरी गंभीरता से उद्देश्यपूर्ण उपयोग करें। ईवीएम की गतिविधियों की सभी जानकारी राजनैतिक दलों को दी जाएं। आयोग के निर्देशानुसार ही ईवीएम का उपयोग और रखरखाव किया जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ऐसे मतदान केंद्र जहां पिछले लोकसभा निर्वाचन में कम मतदान हुआ था वहां प्रभावी जनजागरुकता की गतिविधियां आयोजित की जाएं। आगामी दिनों में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों को भी स्वीप गतिविधियों से जोड़ा जाए। नवाचार कर मतदाता जागरूकता की गतिविधियां भी आयोजित कराएं। उन्होंने वलनेरबेल मैपिंग और क्रिटिकल मैपिंग की कार्यवाही की भी जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाहियां शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने शिकायत निराकरण, वोटर हेल्प लाइन 1950 और सी विजिल का प्रभावी ढंग से संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायत निराकरण सेल में कॉल कर कार्यों की गुणवत्ता जांची। मतदान केंद्रों पर रंगाई पुताई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में मेन पावर मैनेजमेंट,ट्रेनिंग मैनेजमेंट, मैटेरियल मैनेजमेंट, परिवहन, कानून व्यवस्था , सामग्री प्रबंधन, ईवीएम मैनेजमेंट, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग, इलेक्टोरल रोल, कंप्लेंट एंड वोटर हेल्पलाइन नम्बर इत्यादि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री मृणाल मीना, नगरनिगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे, एडीएम श्री अनुकूल जैन, सीईओ शहरी विकास प्राधिकरण श्री संदीप सोनी सहित सभी नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी उपस्थित रही।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जिले में रबी उपार्जन की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया सभी निर्धारित उपार्जन केंद्रो को सक्रिय कराएं। केंद्रो पर किसानों की सुविधाओं के लिए पेयजल ,छाव इत्यादि की व्यवस्था रहें। केंद्रो पर बारादाना सहित अन्य लॉजिस्टिक्स की भी उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं।

प्रशासनिक अमले ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में की संपत्ति विरूपण की कार्यवाही

उज्जैन / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत संपत्ति विरूपण की कार्रवाई प्रभावी ढंग से की जा रही है। प्रशासनिक अमले द्वारा संपत्ति विरूपण अभियान के तहत 24 घंटे ,48 घंटे और 72 घंटे की कार्यवाहीयां की जा रही हैं। जगह-जगह नगर पालिका की टीम शहरी क्षेत्र में और जनपद पंचायत का अमला ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति विरूपण की कार्रवाई कर रहा है।जगह-जगह से राजनैतिक प्रचार से संबंधित होडिंग पोस्टर एवं बैनर हटाने का काम शुरू कर दिया गया है । इसके साथ ही दीवार लेखन को भी मिटाया जा रहा है। वॉल पेंटिंग भी हटाई जा रही है। सड़क बिजली खंबो एवं दीवारों पर लगे बड़े-बड़े होडिंग शनिवार को उतारे गए। जगह-जगह लगे होर्डिंग एवं बैनर हटाने की कार्रवाई की गई है। बताया गया कि जल्द ही सभी जगह से राजनैतिक प्रचार से संबंधित बैनर एवं पोस्टर, होर्डिंग हटा दिए जाएंगे।

उज्जैन जिले में लक्ष्य से अधिक धनराशि का योगदान प्राप्त होने पर राज्यपाल ने कलेक्टर को सम्मानित किया

उज्जैन। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर उज्जैन जिले में लक्ष्य से अधिक धनराशि का योगदान करने पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गत दिवस 11 मार्च को राजभवन में कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह को प्रशंसा पत्र व ट्राफी से सम्मानित किया। उक्त सम्मान गत दिवस 11 मार्च को राजभवन में कलेक्टर की ओर से जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर श्री नगेशचंन्द्र मालवीय ने ग्रहण किया। प्राप्त प्रशंसा पत्र एवं ट्राफी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सोमवार 18 मार्च को टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर को भेंट की ।उक्त जानकारी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी नगेशचन्द्र मालवीय ने बताया कि

उज्जैन जिले को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2022 के लिए 10 लाख 30 हजार का लक्ष्य दिया था, इसके विरूद्ध जिले में 15 लाख 89 हजार 478 रूपये का योगदान प्राप्त हुआ था। यह लक्ष्य राशि का 154 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की सहयोग राशि भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रित परिवारों की सहायता एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए उपयोग में ली जाती है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सभी दानदाताओं एवं सहयोग कर्ताओं का आभार प्रकट किया।

3 विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर ऑफीसरों एवं पुलिस सेक्टर ऑफिसरों का प्रशिक्षण आज होगा

उज्जैन। लोकसभा आम निर्वाचन के अंतर्गत सेक्टर ऑफिसर एवं पुलिस सेक्टर ऑफिसरों का प्रशिक्षण निर्धारित तिथियों में होगा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 215 घट्टिया , विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 216 उज्जैन उत्तर, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 217 उज्जैन दक्षिण के सेक्टर ऑफिसर एवं पुलिस सेक्टर ऑफीसरों का प्रशिक्षण मंगलवार, 19 मार्च को प्रातः 11.00 बजे देवास रोड स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम में होगा।इसी तरह नागदा-खाचरोद विधानसभा के सेक्टर ऑफिसरों का प्रशिक्षण 21 मार्च ,को खाचरोद में प्रातः11.00 बजे , तथा महिदपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रशिक्षण 21 मार्च, को महिदपुर में दोपहर 2.00 बजे से होगा।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन के लिए रूल ऑफ लॉ का पालन के निर्देश

उज्जैन / भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, भोपाल द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन के लिए रूल ऑफ लॉ का पालन के निर्देश जारी किये गये हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को संबंधित निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना के निर्देश जारी किये गये है।कलेक्टर श्री सिंह ने लोक सभा निर्वाचन-2024 के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से कार्य करने के लिए सभी मैदानी अधिकारियों, कर्मचारियों की गतिविधियों पर निगाह रखे जाने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिये गये है। आम जनता, राजनीतिक दलों एवं अन्य हित धारकों से सीधे सम्पर्क में आने वाले मैदानी अधिकारी/कर्मचारियों का यह दायित्व बनता है, कि वह लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर अपनी प्रत्येक गतिविधि से पारदर्शिता एवं निष्पक्षता की नजीर पेश करें। इसके लिए उन्हें "Rule of Law" का सिद्धांत का अक्षरशः पालन करते हुये विभिन्न अधिनियम जैसे दण्ड प्रक्रिया संहिता, भारतीय दंड संहिता, सम्पत्ति विरूपन निवारण, कोलाहलनियंत्रण, मोटरयान, आबकारी, आर्म्स, आदि के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना किया जाना चाहिये। इसके लिए कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारी, निरीक्षक आदि को निर्देशों के तहत नियमों एवं प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही अथवा दण्डात्मक कार्यवाही की जाये।कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह सभी अधिकारियों का दायित्व होगा कि वह मानिटर करे और चेक करें कि "Rule of Law" का पालन उनके कनिष्ठ मैदानी कर्मचारी जैसे आरक्षक, पटवारी, पंचायत सचिव, आदि से लेकर अनुविभागीय दण्डाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारी आदि तक किया जा रहा है। जिले के मैदानी अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा अभी से लेकर पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए "Rule of Law" का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए और लापरवाह अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाई करने के लिए निर्वाचन कार्यालय को जानकारी देवें।कलेक्टर श्री सिंह ने अपने सभी शासकीय कर्मचारियों को चुनाव में बिल्कुल निष्पक्ष रहने के लिए कहा है और जनता को उनकी निष्पक्षता का विश्वास होना चाहिए तथा उन्हें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे ऐसी शंका भी हो सके कि वे किसी दल या उम्मीदवार की मदद कर रहे हैं। शासकीय कर्मचारी को किसी भी प्रकार चुनाव अभियान या प्रचार मे भाग नहीं लेना चाहिए तथा उन्हें यह देखना चाहिए कि उन्हें प्रदत्त अधिकारों का लाभ कोई दल या उम्मीदवार न ले सकें। निर्वाचनों से संबंद्ध अधिकारी/कर्मचारी न तो किसी अभ्यर्थी के लिए कार्य करेगा और न ही उसे मतदेने के लिए किसी प्रकार का प्रभाव डालेगा, इसके अतिरिक्त कोई शासकीय सेवक निर्वाचन में खड़े किसी अभ्यर्थी के लिए निर्वाचन अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता या गणना अभिकर्ता के रूप में कार्य नहीं करेगा। यदि मंत्री संस्था या पार्टी की ओर से आमसभा आयोजित करते है तो सभा की व्यवस्था नहीं की जाए, केवल कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए। यदि कोई मंत्री चुनाव के कार्य से कहीं जाते है तो शासकीय कर्मचारी तथा अधिकारी उनके साथ नहीं जाएगें। अधिकारियों को छोड़कर जिन्हें ऐसी सभा या आयोजन में कानून एवं व्यवस्था के लिए, सुरक्षा के लिए या कार्यवाही नोट करने के लिए तैनात किया गया हो, दूसरे अधिकारियों को ऐसी सभा या आयोजनो में शामिल नहीं होना चाहिए। निर्वाचनों से संबंद्ध अधिकारी/कर्मचारी को यदि किसी प्रकार की शंका हो या कठिनाई आये तो वरिष्ठ अधिकारी की सलाह लेनी चाहिए।

सम्पादकीय

अंतरराष्ट्रीय छवि, सभी धर्मों का आदर की क्यों उठ रही बात

अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी हॉस्टल में घुसकर जिस तरह स्थानीय निवासियों की भीड़ ने नमाज पढ़ रहे विदेशी छात्रों पर हमला किया, वह घटना तो गंभीर है ही, उससे निपटने के तरीकों से जुड़ी शुरुआती सूचनाएं भी कुछ सवाल खड़े करती हैं।यह देश की अंतरराष्ट्रीय छवि से जुड़ी संवेदनशील घटना है। सबसे पहले घटना से जुड़े बुनियादी तथ्यों को समझने की जरूरत है। शुरुआती सूचनाओं के मुताबिक हमलावर भीड़ बाहर से आई थी। जिन विदेशी छात्रों पर हमला हुआ वे अपने कमरे से बाहर, लेकिन हॉस्टल परिसर के अंदर नमाज पढ़ रहे थे। भीड़ ने उन्हें रोकते हुए कहा कि नमाज पढ़ना है तो मस्जिद में जाएं। इसके बाद दोनों पक्षों में कहा-सुनी हुई और भीड़ ने कमरों में घुसकर तोड़फोड़ की।अच्छी बात है कि पुलिस ने कार्रवाई में तेजी दिखाई। दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों को भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले के मद्देनजर न सिर्फ राज्य के गृहमंत्री ने पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक की बल्कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले कदम उठाए। फिर भी कुछ बातें गौर करने की हैं। गुजरात यूनिवर्सिटी में स्टडी एब्रॉड प्रोग्रैम 2005 से ही चल रहा है, लेकिन इस तरह की यह पहली घटना है। जैसा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन का भी कहना है कि ऐसी घटना रातों-रात नहीं हो सकती। निश्चित रूप से इसकी पृष्ठभूमि पहले से तैयार हो रही होगी। आगे ऐसी घटना फिर से न हो, इसके लिए उन हालात पर भी विचार करना जरूरी है, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।इस तरह की जांच सही नजरिए के साथ किए जाने की जरूरत है, तभी सही नतीजे मिलेंगे। यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से मीडिया में आए कुछ बयानों में कहा गया है कि विदेशी छात्रों को सांस्कृतिक तौर पर ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। ऐसा बयान न सिर्फ अनावश्यक है बल्कि जांच की सही दिशा को लेकर भ्रम भी पैदा कर सकता है। ध्यान रहे, इस घटना में विदेशी छात्रों की तरफ से किसी तरह के उकसावे का कोई संकेत नहीं मिलता। यह सूचना भी महत्वपूर्ण है कि हॉस्टल परिसर में कोई मस्जिद नहीं है। देश के अंदर कुछ हिस्सों में पिछले कुछ समय से धर्म को लेकर जिस तरह की असहिष्णुता और अति संवेदनशीलता दिख रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहली नजर में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है। कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों को तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के जरिए इस मामले को मिसाल के रूप में पेश करना ही चाहिए, राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को भी अपने स्तर पर सक्रिय हस्तक्षेप के जरिए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि समाज में सभी धर्मों का आदर करने की भावना कमजोर न हो।

इन घरों में कभी प्रवेश नहीं करतीं मां लक्ष्मी, बनी रहती है दरिद्रता

हर व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुखमय हो। मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहे, ताकि किसी भी तरह की धन से जुड़ी समस्या का सामना न करना पड़े। माना जाता है कि देवी लक्ष्मी उन्हीं घरों में निवास करती हैं, जहां साफ-सफाई होती है। साथ ही जहां परिवार के सदस्य नियमों का पालन करते हैं। कुछ नियमों का पालन न करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और व्यक्ति को धन से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ा है। ऐसे घरों में दरिद्रता छा जाती है। अगर आप चाहते हैं कि घर में मां लक्ष्मी का वास हो, तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जो लोग अधिक क्रोधित होते हैं और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, इन लोगों के घर में मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है। साथ ही घर में मौजूद नकारात्मकता के कारण मां लक्ष्मी नाराज होकर चली जाती हैंजिन घरों में बुजुर्गों, ब्राह्मणों और स्त्रियों का अपमान होता है, वहां मां लक्ष्मी निवास नहीं करती हैं।ऐसा माना जाता है कि सूर्यास्त के बाद घर में झाड़ू नहीं लगाना चाहिए। यदि ऐसा किया जाए, तो मां लक्ष्मी प्रवेश नहीं करती हैं।जिन घरों में पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध नहीं किया जाता है, वहां मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है।जिन घरों में रोज सुबह-शाम दीपक नहीं जलाए जाते, वहां देवी लक्ष्मी भी नहीं ठहरती हैं।जिस घर में हमेशा क्लेश बना रहता है, उस घर में मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है। अगर आप चाहते हैं कि मां लक्ष्मी की कृपा आप पर हमेशा बनी रहे, तो घर का माहौल खुशनुमा बना रहना चाहिए।

सीएए पर भ्रम फैलाने की राजनीति करने में क्यों जुटा हुआ है विपक्ष?

भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक गुणा भाग का खेल प्रारंभ हो गया है। तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस मामले में पूर्व नियोजित राजनीति ही कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार की ओर से बार बार यह स्पष्ट किया जा रहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता देने वाला है, यह किसी की नागरिकता को समाप्त नहीं करेगा। इसके विपरीत केंद्र सरकार के प्रत्येक कदम का विरोध करने वाले राजनीतिक दल इसे भारतीय मुसलमानों के विरोध में उठाया गया कदम बताने का भ्रम पैदा करने वाला रवैया बता रहे हैं। यहां एक बात यह भी स्पष्ट करने वाली है कि इस अधिनियम में भारत के मुसलमान कहीं हैं ही नहीं, फिर क्यों इस अधिनियम में मनमाफिक निहितार्थ तलाश करने की राजनीति की जा रही है? क्या इस प्रकार की राजनीति देश को मजबूत बना सकती है, यकीनन नहीं। क्योंकि जिस देश में कुतर्क की राजनीति की जाती है, वहां भ्रम का वातावरण ही निर्मित होगा। देश के राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह स्वच्छ और रचनात्मक राजनीति करके देश को शक्तिशाली बनाने का प्रयास करें। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो वह अपने एजेंडे से अलग कुछ भी नहीं कर रही है, नागरिकता का मुद्दा उसके लिए पहले से ही प्राथमिकता में रहा है। इतना ही नहीं अभी तक भाजपा नीत केंद्र सरकार ने जो निर्णय लिए हैं, उन सभी को लेकर ही वह जनता के पास गई और भाजपा को ऐसा करने के लिए ही समर्थन मिला।नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत यह भी स्पष्ट है कि इसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित अल्पसंख्यक समाज को ही भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया

है, इसके विपरीत इन देशों में मुसलमान बहुसंख्यक हैं। वे हिन्दू सहित अन्य गैर मुस्लिमों को प्रताड़ित करते रहते हैं। इसी प्रताड़ना के कारण ही वे अपने देश को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इन प्रताड़ित लोगों के लिए किसी भी मुस्लिम देश में शरण नहीं मिलती। इसी कारण से भारत सरकार ने यह कदम उठाया है। जबकि इन देशों में मुस्लिमों को प्रताड़ित नहीं किया जाता। इसके विपरीत भारत में तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले नेता इसका गलत अर्थ निकालकर भारतीय मुसलमानों को भ्रमित करने की राजनीति कर रहे हैं। जबकि इस बात को यह भी भली भांति जानते हैं कि इस कानून से भारत के मुसलमानों को कोई नुकसान होने वाला ही नहीं है। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दुनिया में मुसलमानों को शरण देने वाले कई देश हैं, जबकि प्रताड़ित समाज को शरण देने के कोई भी मुस्लिम देश तैयार नहीं। इसलिए भारत सरकार का यह निर्णय प्रथम दृष्टया उचित ही है।वर्तमान में शरणार्थी और घुसपैठियों का अंतर समझने की बहुत आवश्यकता है। शरण वही मांगता है जो मजबूर हो गया हो और घुसपैठ करने वाला व्यक्ति एक उद्देश्य को लेकर चलता है। आज देश के लगभग आठ राज्य ऐसे हैं जहां घुसपैठ करने वाले नागरिक भारत में रह रहे हैं। इतना ही नहीं इनको भारत में राजनीतिक संरक्षण भी आसानी से मिल जाता है। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी खुलकर घुसपैठियों के समर्थन में खड़ी होती दिखाई देती हैं। यह केवल वोट की खातिर ही किया जा रहा है और यही तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है। लेकिन सवाल यह आता है कि जब ये घुसपैठ करने वाले व्यक्ति अपने देश के प्रति वफादार नहीं हुए तो भारत के वफादार कैसे हो सकते हैं? इसलिए शरणार्थियों के लिए तो जगह हो सकती है, लेकिन घुसपैठियों को पनाह देना बहुत बड़े खतरे को आमंत्रण देने के समान ही कहा जाएगा।वास्तविकता यह है ऐसे मामलों में राजनीति नहीं की जानी चाहिए। भाजपा सरकार की नीतियों का विरोध होना चाहिए, यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, लेकिन यह विरोध देश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। आज यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो रहा है कि विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता प्राप्त करने के लिए देश की जनता के सामने भ्रम की स्थिति पैदा करने का प्रयास करने लगे हैं। मोदी का विरोध करते करते जाने अनजाने में देश का विरोध करने लगते हैं। एक समय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यह स्पष्ट तौर पर अभिव्यक्त किया कि कांग्रेस के नेता हिंदुओं से नफरत करते हैं, सनातन का विरोध करते हैं। कांग्रेस को आचार्य प्रमोद कृष्णम की बात पर मंथन करना चाहिए था, लेकिन मंथन करना तो दूर उनको पार्टी से बाहर कर दिया। इसी प्रकार विपक्ष के अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी गाहे बगाहे सनातन के विरोध में अप्रिय बयान देते रहे हैं। यह भी एक प्रकार से तुष्टिकरण की राजनीति ही कही जाएगी। ऐसी राजनीति भारत को भारत से अलग करने वाली है। यहां यह भी समझना बहुत जरूरी है कि सनातन धर्म के बारे में गलत और विवादित बयान देने वालों के विरोध में कांग्रेस सहित अन्य दलों ने कोई बयान नहीं दिया। यह एक प्रकार से उनको समर्थन देना ही कहा जाएगा।भारत की राजनीति के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि सरकार के निर्णय का बिना किसी नीति या सिद्धांत के विरोध किया जाए। ऐसा पहले भी होता रहा है। हम जानते हैं कि राफेल मामले में भी ऐसा ही विरोध हुआ और इस मामले में अयोध्या के राम मंदिर निर्माण को भी लिया जा सकता है, लेकिन विपक्ष के राजनीतिज्ञ संभवतः यह भूल जाते हैं कि भारत की जनता चाहती क्या है? हम यह भी जानते हैं कि भारत की जनता राम से सीधा जुड़ाव रखती है। इसलिए यह कहा जा सकता है विपक्ष जनता के मनोभाव को समझने में अभी तक असफल ही रहा है। इसी प्रकार सीएए का मामला भी है। विपक्ष का यह कहना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं कहा जा सकता कि यह मुसलमानों के विरोध में है। इसके प्रावधान के तहत ऐसा कहीं भी नहीं लिखा है कि किसी को नागरिकता नहीं दी जाएगी या किसी की नागरिकता छीनी जाएगी। जो बातें की जा रही हैं, वे केवल राजनीति के अलावा और कुछ नहीं। हां, इस कानून के तहत विदेशी मुसलमानों को नागरिकता नहीं दिए जाने की परिकल्पना निहित है, परंतु इसमें भारतीय मुसलमान का कहीं कोई परिलक्षण नहीं है। इसलिए विपक्ष केवल भ्रमित करने की ही राजनीति कर रहा है। ऐसी राजनीति से बचना चाहिए।

लोकसभा चुनावों में जीत से ज्यादा अपने अस्तित्व को बचाने के लिए मैदान में उतर रहे हैं कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दल

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए इस बार का आम चुनाव खास इसलिए है क्योंकि इसके परिणाम इन दलों के अस्तित्व के बचे रहने या खत्म होने का भी निर्धारण करने वाले हैं। जहां तक कांग्रेस की बात है तो भले वहां गांधी परिवार से अलग अध्यक्ष आ गया हो लेकिन पार्टी अब भी पूरी तरह गांधी परिवार के प्रभाव में काम कर रही है इसलिए तमाम प्रयास करने के बावजूद आगे नहीं बढ़ पा रही है। 2014 से कांग्रेस की हार का और नेताओं के पार्टी छोड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह अनवरत जारी है।देखा जाये तो पिछले दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर बेहद मुश्किल माने जा रहे चुनाव में उतर रही है। इस चुनाव में उसके सामने अस्तित्व बचाने की कड़ी चुनौती है क्योंकि एक बार उसका मुकाबला एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली शक्तिशाली भाजपा से है। कुछ ऐसी ही चुनौती आम आदमी पार्टी, वाम दलों और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के लिए भी है। देखा जाये तो कांग्रेस का आजादी से पहले से लेकर पिछले दशक तक राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा दबदबा था, लेकिन कुछ वर्षों से वह लगातार सिमटती जा रही है। अब वह केवल तीन राज्यों- कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में अपने दम पर सत्ता में है। यही नहीं, इस पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है कि क्या वह 'इंडिया' गठबंधन की अगुवाई का दावा भी कर सकती है।देखा जाये तो केंद्र में नरेंद्र मोदी के रहते पिछला दशक 138 साल पुरानी पार्टी के लिए बहुत मुश्किल भरा रहा। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए आवश्यक सीटें भी हासिल करने में विफल रही। कांग्रेस नेता पार्टी की गौरवशाली विरासत पर भरोसा करते हुए पतन के रुकने और फिर से खड़े होने की उम्मीद कर रहे हैं, हालांकि कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। कांग्रेस पार्टी ने पिछले चुनाव में लड़ी गई 421 सीटों में से केवल 52 सीटें हासिल कीं, जिससे 2014 की तुलना में उसकी संख्या में थोड़ा सुधार हुआ जब उसने लड़ी गई 464 सीटों में से 44 सीटें हासिल की थीं। 2014 में 178 के मुकाबले 2019 में 148 कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपनी जमानत गंवा दी।हम आपको बता दें कि वर्ष 1984 में कांग्रेस के लिए शिखर तब आया जब उसने रिकॉर्ड 404 सीटें जीतीं। हालांकि उस जीत में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर एक बड़ा कारक रही थी। इसके बाद 1989 के आम चुनाव में कांग्रेस को 197 सीट, 1991 में 232, 1996 में 140, 1998 में 141, 1999

में 114, 2004 में 145 और 2009 में 206 सीटें मिलीं थीं। इसके बाद 2014 में कांग्रेस को 44 और 2019 के चुनाव में 52 सीटें मिलीं। वर्ष 2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए हल्की उम्मीद की किरण यह थी कि उसने अपना मत प्रतिशत लगभग 19 प्रतिशत पर बनाए रखा, जिसे अब वह आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 2009 में, जब मनमोहन सिंह सत्ता में लौटे थे, तो पार्टी को 28.55 प्रतिशत मत मिले थे।कांग्रेस में बिखराव का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। खास बात यह है कि इस बिखराव को रोकने के प्रयास भी नहीं किये जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिस दिन शुरू की थी उस दिन से कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या में निरंतर वृद्धि होती रही जोकि यात्रा के समापन के बाद भी जारी है। शायद कांग्रेस इस बात को समझ चुकी है कि परिणाम क्या रहने वाले हैं इसलिए चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत से पहले ही ईवीएम पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।वहीं विपक्ष के अन्य दलों की बात करें तो दिल्ली और पंजाब में सत्तारुढ़ 'आप' ने करीब एक दशक में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। वह आगामी लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदचिह्न का विस्तार करने की कोशिश करेगी। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी भी 'इंडिया' गठबंधन की एक प्रमुख घटक है। पार्टी बड़ी परीक्षा के लिए तैयार है और उसे अपने नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और आबकारी नीति घोटाला मामले में अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खतरे जैसी चुनौतियों से भी निपटना है। आप पंजाब (13 सीटें), दिल्ली (4), असम (2), गुजरात (2) और हरियाणा (एक सीट) में लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। 17वीं लोकसभा में केवल पांच सांसदों तक सीमित रही आप विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। 2019 के चुनावों में अब तक की सबसे कम संख्या हासिल करने के बाद इस आम चुनाव में उनके लिए करो या मरो की स्थिति है।दूसरी ओर, वामपंथी दलों के लिए भी यह लोकसभा चुनाव अस्तित्व बचाने की चुनौती वाला है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने पिछले कुछ चुनावों में अपने प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखी है। वामपंथी दलों में भाकपा अपना राष्ट्रीय दर्जा खो चुकी है और माकपा राष्ट्रीय दल है, लेकिन उसका आधार भी सिकुड़ता जा रहा है। देखा जाये यह लोकसभा चुनाव वाम दलों के भविष्य के लिए भी निर्णायक रहने वाला है।वहीं राष्ट्रीय जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, एआईयूडीएफ, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगू देशम पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना और एनसीपी के दोनों गुट, एमएनएफ, जेडपीएम, शिरोमणि अकाली दल, अन्नाद्रमुक, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव करो या मरो जैसी स्थिति वाले हैं। देखना होगा कि लोकसभा चुनावों में इन क्षेत्रीय दलों के हाथ कितनी सफलता लगती है।

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क को एक फेम में लेकर आएंगे करण जौहर, बैड न्यूज़ पहला लुक किया रिलीज

फिल्ममेकर करण जौहर ने होली से पहले उन्हें बड़ा सरप्राइज दिया है। निर्देशक ने विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क अभिनीत अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज़ की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म इस जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग आउटफिट में तीनों की पहली लुक क्लिप साझा की। क्लिप के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, ÷सबसे मनोरंजक हंगामा के लिए तैयार हो जाइए- एक अरब में एक बार की प्रफुल्लित करने वाली स्थिति इंतजार कर रही है...सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक कॉमेडी ! बैड न्यूज़ सिनेमाघरों में 19 जुलाई 2024 । बता दें, पिछले साल विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की क्रोएशिया से तस्वीरें वायरल हुई थीं। लोकेशन से दोनों अभिनेताओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गईं, प्रशंसक मदद नहीं कर सके लेकिन उनकी केमिस्ट्री की सराहना की और वे एक साथ कितने हॉट लग रहे थे।इस बीच, काम के मोर्चे पर, विक्की कौशल को आखिरी बार मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर में देखा गया था। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रूप में उनके चित्रण ने प्रशंसकों को प्रभावित किया। वह अगली बार लक्ष्मण उतेकर की चावा में दिखाई देंगे। अभिनेता पहली बार फिल्म में स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। इसके अलावा विक्की कौशल संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में आलिया भट्ट के साथ भी नजर आएंगे। राजी के बाद यह इस जोड़ी का दूसरा प्रोजेक्ट होगा।तृप्ति डिमरी को आखिरी बार एनिमल में देखा गया था। एक्टर ने रणबीर कपूर की फिल्म में अपने किरदार जोया से सबका दिल जीत लिया। वह अगली बार भूल भुलैया 3 में दिखाई देंगी। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विद्या बालन और कार्तिक आर्यन भी होंगे। एमी विर्क को आखिरी बार पंजाबी फिल्म गद्दी जांदी ए छलांगां मारदी में देखा गया था। उनके पास अर्जेंटीना, डिला मेरेया और जुगनी 1907 सहित अन्य परियोजनाएं हैं।

होश उड़ा देगा रणदीप हुडा का ट्रांसफॉर्मेशन

काफी समय से रणदीप हुडा की फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर को लेकर चर्चा बनी हुई है। रणदीप हुडा भारत को आजादी दिलाने वाले उस महान नेता की कहानी लेकर आए हैं, जिनके बारे में लोगों को कम जानकारी है। हाल ही में एक्टर ने फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर की है. तस्वीर देखकर नेटिज़न्स उनके समर्पण पर आश्चर्यचकित हैं।रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम पर अपने जबरदस्त बदलाव की एक तस्वीर साझा की। उनका ये रूप देखकर फैंस हैरान और हैरान रह गए। कुछ लोगों ने उनकी तुलना डार्क नाइट स्टार क्रिश्चियन बेल से भी की। एक यूजर ने लिखा, %वाह रणदीप भाई, आप पर गर्व है।% तीसरे यूजर ने लिखा, ÷बिल्कुल सही, बॉलीवुड के क्रिश्चियन बेल÷।हाल ही में, निर्माताओं ने स्वतंत्र वीर सावरकर का ट्रेलर जारी किया, जिसमें सावरकर ने अखंड भारत के लिए लड़ाई लड़ी और कैसे उन्होंने भारत को आजाद कराने के लिए अपनी सेना खड़ी की। बिग बॉस 17 की प्रतियोगी अंकिता लोखंडे फिल्म में यमुनाबाई की भूमिका निभा रही हैं। जो लोग नहीं जानते उनके लिए यमुनाबाई विनायक दामोदर सावरकर की पत्नी थीं। ट्विटर उपयोगकर्ता आगामी फिल्म में रणदीप के परिवर्तन से प्रभावित दिखे। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा कि एक्टर की तारीफ की जानी चाहिए।रणदीप हुडा की फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इस फिल्म का निर्देशन खुद रणदीप ने किया है। वह बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। स्वतंत्र वीर सावरकर अंकिता लोखंडे की तीसरी बॉलीवुड फिल्म है। उन्होंने कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने झलकारीबाई की भूमिका निभाई। उनकी दूसरी बॉलीवुड फिल्म बाघी 3 थी, जिसमें टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और रितेश देशमुख थे।

सांप का जहर सप्लाई मामले में गिरफ्तार होने के बाद एल्विश यादव को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बिग बॉस ओटीटी विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव एक बार फिर गलत कारणों से सुर्खियों में हैं। सांप को जहर देने के मामले में अब नोएडा पुलिस ने यूट्यूबर एल्विश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले साल नोएडा पुलिस ने सेक्टर 39 में एफआईआर दर्ज की थी और पूछताछ के लिए बुलाया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। एल्विश यादव को कुछ देर में कोर्ट में पेश किया जाएगा। आज उसे सूरजपुर कोर्ट में पेश किया गया। चूँकि आज रविवार है, एमएम ड्यूटी जज होंगे। एल्विश यादव को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।डीसीपी नोएडा विद्या सागर मिश्रा का टिकटॉक लाइव अपलोड किया गया है। जांच चल रही थी, सबूत मिले कि इसमें एल्विश यादव की भूमिका है, जिसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया और आज गिरफ्तार कर लिया गया। जयपुर लैब में भेजे गए सांप के जहर में भी प्रतिबंधित सांपों का जहर होने की पुष्टि हुई थी।पिछले साल पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) संगठन की शिकायत के आधार पर नोएडा पुलिस ने सेक्टर 51 स्थित एक बैंक्वेट हॉल पर छापा मारा था और पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। पीएफए ने अपनी एफआईआर में एल्विश का नाम लिया और उन पर रेव पार्टियों का आयोजन करने का आरोप लगाया, जिसमें वे विदेशियों को आमंत्रित करते हैं और जहरीले सांपों की व्यवस्था करते हैं।मामले के सिलसिले में नोएडा पुलिस ने उनसे दो घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की. पशु चिकित्सा विभाग की जांच से पता चला कि कुल नौ सांपों में से पांच कोबरा की जहर ग्रंथियां

हटा दी गईं, और अन्य चार जहरीले नहीं पाए गए। बता दें कि छापेमारी के दौरान नौ जहरीले सांप बरामद किए गए। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत सांप की विष ग्रंथियां निकालना दंडनीय अपराध है और दोषी को सात साल की जेल हो सकती है।पकड़े गए सपेरे सभी दिल्ली के मोलरबंद गांव के रहने वाले हैं. उनका कहना है कि पहले ये लोग सपेरे थे लेकिन अब शादियों में ढोल बजाते हैं. उन्हें नहीं पता कि उनके पास सांप कैसे आए और वे एल्विश यादव को भी नहीं जानते. यहां तक कि वह नोएडा पुलिस के सामने भी पेश हुए, जब उन्हें पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया, जहां एल्विश ने कथित तौर पर खुलासा किया कि गायक फाजिलपुरिया ने नोएडा पार्टी में सांपों की व्यवस्था की थी। हालांकि, गायक ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो उनके एक एल्बम शूट का है।यह पहली बार नहीं है जब वह मुसीबत में फंसे हैं। हाल ही में, बिग बॉस ओटीटी फेम के खिलाफ हरियाणा के गुरुग्राम में एक साथी यूट्यूबर की पिटाई करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। पूरी घटना को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया. एल्विश यादव, जिन्हें सिद्धार्थ यादव के नाम से भी जाना जाता है, गुरुग्राम के एक लोकप्रिय यू-ट्यूबर हैं। बिग बॉस ओटीटी का दूसरा सीजन जीतने के बाद उन्हें पहचान मिली। वह बैड गाइ, सिस्टम, पुंजा दाब, राव साहब, हम तो दीवाने, मीटर खेंच के और बोलेरो सहित संगीत वीडियो में भी दिखाई दिए हैं।

खेल सरोवर-खेल सरोवर-खेल सरोवर

रोहित शर्मा को लेकर हार्दिक पंड्या का बड़ा बयान, कहा- उनका हाथ हमेशा...

हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस के नए कप्तान होंगे। हालांकि, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा बतौर खिलाड़ी अभी भी टीम में शामिल है। जब से रोहित को कप्तानी से हटाकर हार्दिक को ये जिम्मेदारी दी है, तब से उन्हें और फ्रेंचाइजी को आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। कोई इसे हार्दिक का घमंड मान रहे हैं तो कई मानते हैं कि फ्रेंचाइजी ने रोहित के साथ अच्छा नहीं किया। खैर, अब जो हार्दिक पंड्या ने रोहित शर्मा को लेकर कहा है उससे मुंबई और रोहित के फैंस खुश हो जाएंगे। सोमवार को हार्दिक पंड्या ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उनसे कई सावल पूछे गए। वहीं रोहित शर्मा से जुड़ा सवाल भी पत्रकारों ने उनसे किया। पंड्या ने रोहित को लेकर कहा कि, वह कप्तान नहीं हैं तो क्या लेकिन मुझे उनकी जरूरत होगी और वह मेरे लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। हार्दिक पंड्या ने कहा कि, ये कुछ अलग नहीं होगा क्योंकि अगर मुझे उनकी मदद की जरूरत होगी तो रोहित शर्मा हमेशा मेरी मदद के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही रोहित शर्मा के भारतीय कप्तान होने से मुझे मदद मिलती है। साथ ही रोहित शर्मा के भारतीय कप्तान होने से मुझे मदद मिलती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने सबकुछ हासिल कर लिया है। हार्दिक पंड्या ने रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस ने उनकी कप्तानी में काफी कुछ हासिल किया। इसके बाद जहां से रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान टीम को छोड़ा है वहां से आगे बढ़ाना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि, रोहित शर्मा ने जो शुरू किया है उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी मेरी होगी। मुझे पता नहीं कि पूरे सीज़न में उसका हाथ मेरे कंधे पर रहेगा। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का पहला मैच गुजरात टाइटंस के साथ होगा। हार्दिक पंड्या इससे पहले गुजरात के ही कप्तान थे। ये मैच रोमांचक होगा जब हार्दिक अपनी पूर्व टीम के खिलाफ उतरेंगे, जिसे वह चैंपियन बना चुके हैं।

जब केकेआर को छोड़ूंगा तो टीम बेहतर स्थिति में होगी-गौतम गंभीर

कोलकाता। कभी गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दो खिताब जीतकर अपनी अलग पहचान बनाई थी और अब मेंटोर (मार्गदर्शक) के रूप में टीम से जुड़े इस पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज का लक्ष्य टीम को वर्तमान स्थिति से बेहतर स्थिति में पहुंचाना है। केकेआर की टीम पहले तीन आईपीएल में नॉकआउट में भी नहीं पहुंच पाई थी।इसके बाद चौथे सत्र में गंभीर ने टीम की कमान संभाली थी। गंभीर ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा,''मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि जब भी मैं इस जगह (केकेआर) को छोड़ूंगा, हम काफी बेहतर स्थिति में होंगे।'' उन्होंने कहा,''मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैंने केकेआर को सफल नहीं बनाया बल्कि केकेआर ने मुझे सफल बनाया। केकेआर ने मुझे एक नेतृत्वकर्ता बनाया।

लंबे समय बाद क्रिकेट मैदान में नजर आए विराट कोहली, जमकर की प्रैक्टिस

विराट कोहली लंबी छुट्टियों के बाद मैदान पर लौटे हैं। आईपीएल 2024 से पहले वह जमकर आरसीबी कैंप में प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ग्लेन मैक्सवेल के साथ फुटबॉल खेलते और प्रैक्टिस करते देखा गया। वहीं विराट कोहली सोमवार को बैंगलोर पहुंचे। वह पिछले लंबे समय पारिवारिक कारणों के चलते क्रिकेट से दूर थे। कोहली ने अपना आखिरी क्रिकेट मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान कोहली लंदन में थे और इसी दौरान उनकी पत्नि अनुष्का शर्मा ने बेटे को जन्म दिया।

सीएसके को लगा झटका, पेसर मुस्तफिजुर रहमान हुआ चोटिल

आईपीएल 2024 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक बुरी खबर आ रही है। बांग्लादेश के तेज गेदंबाज मुस्तफिजुर रहमान को चट्टोग्राम में चिलचिलाती धूप में गंभीर ऐंठन के बाद श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान स्ट्रैचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान क चोट लग गई है। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान इस तेज गेंदबाज को स्ट्रेजर पर मैदान से बाहर ले जाया गया था। इससे सीएसके की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो आईपीएल 2024 की शुरुआत में चोटिल पथिराना की जगह मुस्तफिजुर पर भरोसा कर रहे थे। बांग्लादेश क्रिकेट ने अभी तक मुस्तफिजुर की चोट पर कोई अपडेट नहीं दिया है। जिनके सोमवार को मैच के बाद सीएसके कैंप के साथ जुड़ने की उम्मीद थी। वह गेंदबाजी करते समय बार-बार अपना पेट पकड़ रहे थे। ऐसे में अभ देखान होगा कि उन्हें किस तरह की चोट लगी है और वे कब तक पूरी तरह ठीक हो पाएंगे।

बिजली-खंभे के पास या बिजली लाइनों के नीचे होलिका दहन न करें

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं तथा आम नागरिकों से सुरक्षित होलिका दहन के लिये अपील की है। कंपनी ने कहा है कि बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या फिर बिजली की ऐसी लाइनें जिसमें विद्युत प्रवाहित होती है, उनके नीचे होलिका दहन न करें। लाइनों के नीचे होलिका दहन से दुर्घटना की संभावना सदैव बनी रहती है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ताओं से अपील की है कि होलिका का आयोजन और होलिका दहन बिजली लाइनों से कुछ हटकर अन्य स्थान पर ही करें। आग की लपटों से एल्यूमिनियम तारों एवं बिजली केबल के गलने, जलने और टूटने की संभावना सदैव रहती है। इनके टूटने या गिरने से कोई भी बड़ी अप्रत्याशित घटना घट सकती है। कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं एवं नागरिक बंधुओं से अपील है कि होलिका दहन बिजली की चालू लाइनों, उपकरणों से दूर करें और प्रसन्नता से त्यौहार मनाये।

कांग्रेस में नए चेहरों को मिल सकता है अवसर

आज घोषित हो सकती है दूसरी सूची

भोपाल। प्रदेश संगठन में परिवर्तन के बाद अब कांग्रेस की लोकसभा चुनाव में नए चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी है। 10 सीटों की पहली सूची में जिस तरह टीकमगढ़ से पंकज अहिरवार, धार से राधेश्याम मुवेल और खरगोन से पोरलाल खरते को प्रत्याशी बनाया गया, उसी तरह अन्य सीटों पर भी नए चेहरे देने की तैयारी है।इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित वरिष्ठ नेता प्रत्याशी चयन को लेकर चर्चा कर चुके हैं। केंद्रीय चुनाव समिति को प्रत्येक सीट के लिए एक नाम प्रस्तावित किया जाएगा ताकि मंगलवार को दिल्ली में होने वाली बैठक में अंतिम रूप देकर प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएं।कांग्रेस ने प्रदेश की 20 लोकसभा सीटों में से 10 के प्रत्याशी घोषित किए हैं। इनमें भिंड से फूल सिंह बरैया और देवास से राजेंद्र मालवीय को छोड़ दिया जाए तो बाकी प्रत्याशियों की आयु 50 वर्ष या उससे कम है। इनमें से तीन विधायक (सतना से सिद्धार्थ कुशवाहा, मंडला से ओमकार सिंह मरकाम और भिंड से फूल सिंह बरैया) और सीधी से पूर्व विधायक कमलेश्वर पटेल को प्रत्याशी बनाया है। बैतूल से रामू टेकाम पर फिर भरोसा जताया है।खजुराहो सीट समझौते में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को दे दी है। लोकसभा की शेष बची 18 सीटों के लिए जिन नामों पर विचार किया गया है उनमें से अधिकतर पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कुछ विधायक और पूर्व विधायकों पर भी दांव लगाया जा सकता है। इंदौर, भोपाल और जबलपुर में नया चेहरा देने की तैयारी की है तो राजगढ़ और रतलाम से पूर्व विधायक को चुनाव लड़ाया जा सकता है।बालाघाट के लिए पार्टी के पास हिना कांवरे, कंकर मुंजारे, सम्राट सिंह सरस्वार के नाम प्रस्तावित किए हैं। मुरैना और ग्वालियर में सामाजिक समीकरण के कारण अभी एक राय नहीं बनी है। रविवार को पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार ने भोपाल में पटवारी से भेंट भी की। वहीं, विदिशा से पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा भी पहुंचे।भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया है। गुना का मामला अरुण यादव की दावेदारी के कारण उलझ गया है। यादव प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी जितेंद्र सिंह से भेंटकर गुना लोकसभा से चुनाव लड़ने के संबंध में अपना पक्ष रख चुके हैं। रीवा से कांग्रेस महापौर अजय मिश्रा को चुनाव लड़ाना चाहती है। उधर, सेमरिया से विधायक अभय मिश्रा ने पत्नी नीलम मिश्रा की दावेदारी पेश कर दी है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मियों ने कार्रवाई की सूचना की लीक

एएसआई समेत दो निलंबित

भोपाल। क्राइम ब्रांच पुलिस जुआरी नरेश मरघट के जुए पर रेड कर पाती इससे क्राइम ब्रांच के ही दो पुलिसकर्मियों ने यह सूचना लीक कर दी। टीम जब मौके पर पहुंची तो जुए की फड़ उठ चुकी थी। पुलिस को कोई नहीं मिला, नरेश मरघट भी भाग चुका था।डीसीपी क्राइम श्रुतकीर्ति ने टीम के सदस्यों की कॉल डिटेल खंगलवाई। इसमें एएसआई विजय वरन यादव और आरक्षक सौरभ राजावत की जुआरी से मिलीभगत पाई गई। रात साढ़े 11 बजे डीसीपी ने दोनों को गोपनीयता भंग करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की जांच एसीपी क्राइम मुख्तार कुरैशी को सौंपी गई है।जानकारी के मुताबिक, चार दिन पहले क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि छोला मंदिर इलाके में जुआरी नरेश मरघट का जुआ संचालित हो रहा है। पुलिस जुए की फड़ पर छापा मारने के लिए तैयार की गई।रात करीब 9 बजे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो उन्हें कोई नहीं मिला। जबकि मुखबिर ने बताया था कि बड़ा जुआ चल रहा था। काफी लोग मौजूद हैं। लाखों रुपये के हार-जीत के दांव लगाए जा रहे हैं। जुआरी अचानक जुआ बंद कर भाग निकले। उसने आशंका जताई कि सूचना कहीं से लीक हुई है और जुआरी नरेश मरघट तक पहुंची, जिससे वह मौके से भाग निकला। बताया गया था कि नरेश बड़ा जुआ चलवा रहा था। नरेश का काल इंटरसेप्टर पर था।इस बात की जानकारी अफसरों को लगी कि टीम खाली हाथ लौट आई है। पूर्व डीसीपी क्राइम श्रुतकीर्ति ने मुखबिर की आशंका के मद्देनजर टीम में शामिल सभी पुलिसकर्मियों के काल डिटेल खंगलवाए। इसमें क्राइम ब्रांच से एएसआइ विजय वरन यादव और आरक्षक सौरभ राजावत की जुआरी नरेश मरघट से मिलीभगत पाई गई है।

ढाबे पर खाना खाने जा रहे बाइक सवार को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत, साथी घायल

भोपाल । मिसरोद इलाके में रविवार-सोमवार की दरमियानी देर रात बाइक सवार दो युवकों को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। बाइक सवार दोस्त के जन्मदिन का केक काटने के बाद खाना खाने ढाबे पर जा रहे थे। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर सीसीटीवी की मदद से कार की तलाश शुरू कर दी है।मिसरोद पुलिस के अनुसार मूलत: भिंड का रहने वाला 32 वर्षीय प्रशांत राजावत निजी काम करता था और भोपाल में फार्च्यून डिवाइन सिटी नर्मदापुरम रोड पर किराए पर कमरा लेकर दोस्त अंकुर सिंह के साथ रहता था। अंकुर भी भिंड का रहने वाला था। 18 मार्च को अंकुर का जन्मदिन था। 17 मार्च की रात 12 बजते ही अंकुर ने अपने जन्मदिन का केक काटा और घर में छोटी से पार्टी करने के बाद दोनों दोस्त खाना खाने के लिए वृंदावन ढाबा जाने के लिए बाइक से निकले थे। रास्ते में शनि मंदिर के पास पीछे से तेज रफ्तार कार आई, जिसने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों दोस्त बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। जहां पर डाक्टरों ने प्रशांत को मृत घोषित कर दिया। अंकुर के पैर व हाथ में भी गंभीर चोटें आई हैं। उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मृतक के स्वजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया।

कुएं में गिरी दूधमुंही बच्ची पहले मोटर से टकराकर पानी में गिरी, बचाने के लिए कुएं में कूदे पिता

शिवपुरी। जाको राखे साईयां मार सके न कोय...., यह कहावत रविवार को मायापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीपुरा में उस समय सही चरितार्थ होती नजर आई जब आठ माह की एक दूधमुंही बच्ची कुएं में गिर कर पानी में डूब गई। बच्ची को उसके पिता ने कुएं में कूदकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।पानी में डूबने से बच्ची का सिर कुएं में लटकी पानी की मोटर से टकराकर फट गया, लेकिन इसके बावजूद फिलहाल बच्ची की हालत सामान्य बनी हुई है। डॉक्टर उसे खतरे से बाहर बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार मोतीपुरा निवासी छतर सिंह लोधी की आठ माह की बेटी नम्रता रविवार की दोपहर अपने घर के पास खेल रही थी।खेलते-खेलते वह कुएं में गिर गई। कुएं में गिरने समय वह पहले कुएं में टंगी पानी की मोटर पर गिरी जिससे उसका सिर फट गया, इसके बाद वह 20 फीट गहरे कुएं में भरे पानी में डूब गई।नम्रता को कुएं में गिरता देख उसकी बड़ी बहन दौड़ते हुए आई और अपनी मां रामकुमारी लोधी को बताया कि छोटी बहन कुएं में गिर गई है। इस पर रामकुमारी, उसका पति छतर सिंह दौड़कर कुएं के पास पहुंचे, परंतु उन्हें कुएं में कुछ दिखाई नहीं दिया।कुछ समय बाद अचानक नम्रता पानी के ऊपर उछल कर आई तो छतर सिंह बिना समय गवाएं पानी में कूद गया और नम्रता को पड़ोसियों की मदद से कुएं के बाहर निकाला गया। नम्रता को कुएं के बाहर निकालने के बाद उसके पेट से पानी निकालकर उसे पिछोर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। देर शाम नम्रता की स्थिति को देखते हुए उसे शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मंडीदीप में 26 साल छिपा रहा किशोर से अप्राकृतिक कृत्य का आरोपित

कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

इटारसी। 30 साल की उम्र में अपने साथ रिक्शा चलाने वाले किशोर से अप्राकृतिक कृत्य करने वाला आरोपित मजीद 26 सालों तक न्यायालय और पुलिस को चकमा देकर मंडीदीप में डेरा डाले रहा। हर शनिवार-रविवार को वह पुलिस को चकमा देकर अपने घर इटारसी आता-जाता रहा। 56 साल की उम्र में पिछले दिनों वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया, न्यायालय ने उसे अब आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म के मामले में आरोपित 56 वर्षीय मजीद खान पिता अब्जल खान को आजीवन कारावास एवं दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। मजीद पर एक किशोर के साथ अप्राकृतिक यौन अपराध करने का मामला दर्ज हुआ था। प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने दोषसिद्ध पाते हुए धारा 377 आईपीसी में सजा सुनाई है।इस पुराने एवं गंभीर प्रकरण की पैरवी करने वाले अपर लोक अभियोजक राजीव शुक्ला ने बताया कि मामला 26 फरवरी 1997 का है। फरियादी ने थाने आकर बताया कि वह रिक्शा चलाता है, रात को 8 बजे आरोपित जमीद ने सरकारी अस्पताल में ओपीडी के पीछे ले जाकर पहले मारपीट की, इसके बाद चाकू की नोंक पर मुझे डराया, इसके बाद मेरे साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। यह घटना उसके साथी अजय एवं मेघराज ने देखी है। पिता के साथ थाने आकर किशोर ने मामला दर्ज कराया।मजीद 20 अगस्त 1997 को घटना के बाद से फरार हो गया था, उसके विरुद्ध कोर्ट ने बेमियादी वारंट जारी किया था। करीब 26 साल बाद 16 अक्टूबर 2023 को मजीद पकड़ा गया, इसके बाद से वह न्यायिक अभिरक्षा में ही रहा है। मजीद को सभी धाराओं में एक साथ सजा दी जाएगी। फैसले की पेशी पर आरोपित जमीद वीडियो कांफ्रेसिंग से शामिल हुआ। सजा वारंट पर उसे केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम भेजा गया है।लंबे समय तक मजीद के फरार होने पर 16 दिसंबर 1997 को उसका फरारी पंचनामा बनाया गया। इसके बाद उसके खिलाफ कई वारंट जारी होते रहे, लेकिन पुलिस ने कहा कि आरोपित मिल नहीं रहा है, इस वजह से चालान पेश कराया गया। जानकारी के अनुसार मामले में फरियादी की मौत 3 मार्च 2013 को हो गई है, उसके पिता की मौत भी 10 अक्टूबर 2010 को हो चुकी है, लेकिन सुनवाई के दौरान दोनों ने अपने बयान कोर्ट के समक्ष 30 अगस्त 2006 को दर्ज कराए थे।

रायसेन में सेहरी-इफ्तारी की सूचना देने किले से चलाई जाती है तोप

रायसेन। मुस्लिमों के पवित्र माह रमजान में सेहरी और इफ्तार के समय पर किले की प्राचीर से तोप चलाने की परंपरा यहां 200 साल से कायम है। आज भी यहां के करीब 20 गांवों में तोप की आवाज सुनकर रोजा खोला जाता है। रमजान के एक माह तक रोज सुबह- शाम तोप चलने का यह क्रम बाकायदा एक शासकीय प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शुरू होता है। प्रक्रिया में कलेक्टर द्वारा एक अस्थायी लाइसेंस जारी किया जाता है। रमजान महीना पूरा होने पर तोप को फिर से शासकीय मालखाने में सुरक्षित जमा कर दिया जाता है। अलसुबह सेहरी के बाद तोप चलने पर रोजा शुरू होता है और फिर शाम को इसके चलने पर लोग इफ्तार

करते हैं।परंपरा की शुरुआत रायसेन सहित आसपास के ग्रामीण अंचल के रोजेदारों को समय की सूचना देने के उद्देश्य से हुई थी। तोप के साथ-साथ सेहरी के लिए तैयारी करने नगाड़े बजाने का क्रम भी उसी दौर में शुरू हुआ था, यह भी अब तक कायम है। रायसेन शहर का एक वंशकार परिवार कई पीढ़ियों से इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है। नगाड़े भी किले की प्राचीर से ही बजाए जाते हैं, जिनकी आवाज कई किमी दूर तक जाती है।पहले किले पर ही मिलता था संकेत, अब मस्जिद में जलता है लाल बल्ब - पुराने दौर में सेहरी और इफ्तार के समय की सूचना के लिए तोप चलाने का संकेत किले से ही मिलता था। अब तोप चलाने से पहले दोनों समय पुरानी बस्ती में स्थित टांके वाली मस्जिद की मीनार पर लाल रंग का एक बल्ब संकेत के रूप में जलता है, फिर किले पर पहाड़ी से तोप चलती है। तोप चलाने वाले परवेज खान ने बताया कि उनके दादा काजी बरकतउल्लाह रमजान में किले से तोप चलाते थे फिर पिता ने, उनके बाद चाचा ने यह परंपरा निभाई और अब वे चौथी पीढ़ी में तोप चला रहे हैं।तोप चलाने के लिए रस्सी बम में उपयोग होने वाली बारूद का इस्तेमाल होता है। एक बार तोप चलाने के लिए करीब 100-150 ग्राम बारूद लगता है। वे सेहरी के समय तोप चलाने सुबह तीन बजे किले पर चढ़ते हैं। सेहरी के समय तोप चलाकर वापस आ जाते हैं। इसी तरह इफ्तार के लिए शाम को फिर किले पर पहुंचकर इफ्तार की सूचना देने तोप चलाते हैं। तोप चलने से केवल धमाका होता है। आवाज दूर- दूर तक सुनाई देती है। किसी को किसी तरह का नुकसान नहीं होता है।

निगम सम्पत्तिकर अमले द्वारा जारी है कर वसूली की कार्यवाही

बड़े बकायादारों के यहां चस्पा किए कुर्की वारंट

उज्जैन। नगर पालिक निगम सम्पत्तिकर अमले द्वारा कर वसूली की कार्यवाही निरंतर जारी है प्रतिदिन बकाया सम्पत्तिकरदाताओं से सम्पर्क करते हुए कर वूसली की जा रही है साथ ही बड़े बकायादारों के यहां संपत्तिकर जमा करने हेतु शक्ति पत्र (कुर्की वारंट) चस्पा किए जा रहे है।

सोमवार को संपत्तिकर अम्ले द्वारा उद्योगपुरी क्षेत्र में पहुंचकर बड़े बकायादारों से संपर्क किया जाकर संपत्तिकर जमा कराए जाने के साथ ही बड़े बकायदार जिनके द्वारा संपत्तिकर जमा नहीं किया जा रहा है ऐसे करदाताओं पर कुर्की वारंट चस्पा करने की कार्यवाही की गई। साथ ही सम्पत्तिकर अमले द्वारा औद्योगिक क्षैत्र में संचालित उद्योगो के वर्तमान क्षैत्र की नप्ती भी की जा रही है उसी के अनुसार सम्पत्तिकर वसूला जा रहा है।निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने शहर के सम्मानीय करदाताओं से अपील की है कि ऐसे करदाता जिन्होंने अभी तक अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा नहीं कराया है वे अपना बकाया संपत्तिकर, जलकर जमा करावे एवं कुर्की, वारंट जैसी अप्रिय स्थिति से बचे एवं शहर विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें।

अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु अधिकारी, कर्मचारियों को किया नियुक्त

उज्जैन । लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत प्रत्याशी के रूप में भाग लेने वाले समस्त अभ्यर्थियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र नियमानुसार जारी किये जाने के लिये अधिकारी, कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। अनापत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित समस्त कार्यवाही निगम मुख्यालय के कक्ष क्रमांक 239 में संपादित की जायेगी।अनापत्ति प्रमाण पत्र संबंधित कार्यवाही के लिये श्री तेजकरण गुनावदिया, उपायुक्त निर्वाचन को नोडल अधिकारी एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र संबंधी संपूर्ण कार्य/दायित्वों के निर्वहन हेतु नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार श्री विजय सिंगारिया सहायक वर्ग 01 को कार्यालय प्रमुख, श्री शरद कुल श्रेष्ठ, श्री कैलाश शर्मा के साथ ही सहायक आयुक्त अन्यकर, राजस्व विभाग अन्यकर से संबंधित, सहायक संपत्ति कर अधिकारी झोन क्रमांक 01 से 06 संपत्तिकर से संबंधित, श्री मनोज खरात उपयंत्री, पीएचई जलकर से संबंधित समस्त प्रकार की अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करेंगे।

जारी है सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही

उज्जैन । निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार आचार संहिता प्रारंभ होते ही नगर निगम अमले द्वारा सम्पत्ति विरूपण सम्बंधी कार्यवाही प्रारंभ की गई है, जो निरंतर जारी हैं। निगम अतिक्रमण गैंग द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों को निरंतर भ्रमण किया जा रहा है एवं विभिन्न शासकीय एवं सार्वजनिक संपत्तियों, स्थलों से विभिन्न प्रकार के फ्लेक्स, होर्डिंग हटाए जाने के साथ ही दीवारों और अन्य स्थलों पर ऐसी वाल पेंटिंग जिनसे आचार संहिता उल्लंघन होने की आशंका होती है उन्हें पेंट करते हुए मिटाया जा रहा है। यह कार्यवाही सम्पूर्ण शहर में की जा रही है।

जैन धर्म में मृत्यु पर इस तरह विजय प्राप्त करते हैं संत, काफी कठिन है समाधि की अनोखी परंपरा

हिंदू धर्म की तरह ही जैन धर्म में भी महासमाधि ली जाती है। लेकिन जैन धर्म की समाधि को लेकर अक्सर लोगों के मन में एक सवाल जरूर रहता है। जैसे जैन धर्म में समाधि के क्या मायने होते हैं। समाधि कैसे ली जाती है और सल्लेखना क्या होता है। साथ ही इसको खुदकुशी क्यों कहा जाता है। ऐसे में अगर आपके मन में भी ऐसे सवाल रहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।आपको बता दें कि जैन संतों द्वारा ली जाने वाली समाधि को सल्लेखना कहा जाता है। जैन धर्म के मुताबिक सल्लेखना एक तरह की आत्महत्या है। सल्लेखना के जरिए जैन संत नश्वर जीवन की मुक्ति के बिना ही विशेष कर्मकांड के प्राप्त करते हैं। लेकिन जैन धर्म में सल्लेखना से जुड़े कुछ नियम भी मौजूद होते हैं।जैन धर्म में यदि किसी संत को सल्लेखना या

समाधि लेते है। तो उनको संपत्ति संचय, झूठ बोलना, अहिंसा और चोरी जैसे कृत्यों को त्याग करना पड़ता है। क्योंकि असल में इस धर्म में सल्लेखना की परंपरा बेहद खास मानी जाती है। वहीं इस सल्लेखना परंपरा का पालन मृत्यु आने पर किया करते हैं।जब जैन धर्म में किसी को लगता है कि उसकी मृत्यु आने वाली है। वहीं कुछ दिनों में उसका शरीर प्राण को छोड़ सकता है। तब व्यक्ति खुद से भोजन और जल का त्याग करता है। बता दें कि दिगंबर जैन शास्त्र के मुताबिक इसको ही महासमाधि या सल्लेखना कहा जाता है।बताया जाता है कि सल्लेखना यानी महासमाधि का पालन करना बेहद कठिन होता है। सल्लेखना के दौरान शरीर को अधिक कष्ट भोगना पड़ता है। इस परंपरा का अपना इतिहास भी है। इसके अनुसार, जैन शब्द की उत्पत्ति जिस से हुई है, जिसका अर्थ विजेता होता है। जैन धर्म में मृत्यु को विजय माना गया है।जैन धर्म के संत जब सल्लेखना लेते हैं, तब मृत्यु का समय विजय प्राप्त करने के समान होता है। इसी वजह से सल्लेखना के दौरान इन नियमों का पालन करना इस धर्म में सबसे ज्यादा अहम माना गया है।

सर्वार्थ सिद्धि योग बुधादित्य और रवि योग में 24 मार्च को होगा होलिका दहन

हिंदू धर्म में होली का त्योहार दो दिवसीय होता है। इसकी शुरुआत होलिका दहन से होती है। होलिका दहन फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। पुराणों में होलिका दहन और पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि होलिका दहन के दिन होली की पूजा करने से महालक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। मान्यता है कि मां लक्ष्मी के साथ सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रंगों का त्योहार होली इस बार 25 मार्च को मनेगा। इससे एक दिन पहले 24 तारीख को होली जलाई जाएगी। इस बार भद्रा दोष रहेगा इसलिए शाम की बजाय रात में होलिका दहन हो सकेगा। होलिका दहन के समय सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, बुध आदित्य योग का अद्भुत संयोग बन रहा है।ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन रवि, बुधादित्य और सर्वार्थ

सिद्धि योग में होगा। होली के बाद से दीपावली तक तेजी का माहौल बना रहेगा। लेकिन बिजनेस करने वालों के लिए अच्छी स्थितियां बनेंगे और फायदे वाला समय रहेगा। विदेशी निवेश में भी वृद्धि होने के योग हैं। मंदी खत्म होगी। देश में बीमारियों का संक्रमण कम होने लगेगा उद्योग बढ़ेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को अच्छा समय शुरू होगा। महंगाई पर नियंत्रण बना रहेगा।ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार होलिका दहन के लिए एक घंटा 20 मिनट का ही समय रहेगा। इसकी वजह इस दिन उस दिन भद्रा प्रातः 9.55 से आरंभ होकर रात्रि 11.13 तक भूमि लोक की रहेगी। जो की सर्वथा त्याज्य है। अतः होलिका दहन भद्रा के पश्चात रात्रि 11.13 से मध्य रात्रि 12.33 के मध्य होगा। भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन के बाद जल से अर्घ्य दें। शुभ मुहूर्त में होलिका में स्वयं या परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य से अग्नि प्रज्जवलित कराएं। आग में किसी भी फसल को सेंक लें और अगले दिन इसे सपरिवार ग्रहण करें। मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को रोगों से मुक्ति मिलती है।भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन के दिन सफेद खाद्य पदार्थ ग्रहण नहीं करना चाहिए। होलिका दहन के समय सिर ढंककर ही पूजा करनी चाहिए। नवविवाहित महिलाओं को होलिका दहन नहीं देखना चाहिए। सास-बहू को एक साथ मिलकर होलिका दहन नहीं देखना चाहिए। इस दिन को भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं करना चाहिए।भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन की रात को भी दीपावली और शिवरात्रि की भांति ही महारात्रि की श्रेणी में शामिल किया गया है। होलिका की राख को मस्तक पर लगाने का भी विधान है। ऐसा करने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं। इस रात मंत्र जाप करने से वे मंत्र सिद्धि प्राप्त होती है। जीवन सुखमय बनता है, जीवन में आने वाली सभी परेशानियों का अपने आप निराकरण हो जाता है।

भोजन शाला में भोजन सेवा में दान देने वाले दाताओं के नाम

क्रमांक	दिनांक	दानदाता का नाम	स्थान	जन्मदिन-स्मृति में भोजन सेवा	राशि
1.	18.03.2024	उज्जयिनी सेवा समिति के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य श्री अशोक पटेल के सुपुत्र एवं घनश्याम पटेल,ईश्वर पटेल एवं लक्ष्मण पटेल के भतीजे श्री खुशवंत पटेल के जन्मदिन पर आज का भोजन			

उज्जयिनी सेवा समिति द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में संचालित भोजन शाला में पिछले 25 वर्षों से समिति भोजन सेवा दे रही है। प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद और उज्जैन आने वाले यात्री मात्र 5 रू. में स्वादिष्ट भरपेट भोजन कर रहे हैं। सोमवार दिनांक 18 मार्च को भोजनशाला में कुल 290 लोगों ने भोजन प्रसादी प्राप्त की।

शिव-पार्वती विवाह का रिसेप्शन आज, बन रहे छप्पन पकवान

50 हजार से अधिक भक्त ग्रहण करेंगे महाप्रसादी

उज्जैन। धर्मधानी उज्जैन में महाशिवरात्रि के बाद मंगलवार को शिव-पार्वती विवाह का रिसेप्शन होगा। रामघाट स्थित छतरी वाले गणेश मंदिर परिसर में होने वाले इस महाआयोजन के लिए जोर-शोर से तैयारी जारी है। भक्तों को माधुर्य भोज में छप्पन पकवान परोसे जाएंगे। करीब 300 हलवाई दो दिन से स्वादिष्ट व्यंजन बना रहे हैं। इससे पूर्व दिन में नगरकोट माता मंदिर से भूत प्रेत की टोली के साथ भोले की बारात निकाली जाएगी। यह आयोजन का 24वां वर्ष है।

आयोजक भगवान चिंतामन गणेश व भगवान महाकाल को न्यौता देने के बाद नगरवासियों को विवाह भोज में शामिल होने

के लिए घर-घर जाकर आमंत्रण दे रहे हैं। अनुमान है कि रिसेप्शन में करीब 50 हजार श्रद्धालु महाप्रसादी ग्रहण करेंगे।

आयोजन समिति के महेंद्र कटियार व राजेश अग्रवाल ने बताया कि सोमवार शाम को भगवान महाकाल व माता पार्वती को हल्दी मेहंदी लगाने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। महिला मंडलों द्वारा मंगल गीत गाए जा रहे हैं। हलवाई व्यंजन बनाने में व्यस्त हैं।

आयोजन स्थल विवाह के घर जैसा नजर आ रहा है। मंगलवार दोपहर झांझ, डमरू, ढोल, मृदंग की मंगल ध्वनि के साथ शिव बरात निकाली जाएगी। इसमें भूत प्रेत बाराती होंगे। सैकड़ों श्रद्धालु नृत्य करते निकलेंगे। अनेक स्थानों से पुष्प वर्षा कर बरात का स्वागत किया जाएगा। प्रमुख मार्गों से होकर बारात आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। बारातियों का स्वागत काफी, शिकंजी, लस्सी पिलाकर किया जाएगा। इसके बाद महाभोज का आयोजन होगा।

आसमान साफ लेकिन गर्मी बढ़ी

उज्जैन(सुशील दुबे)।आसमान में इन दोनों बादलो का डेरा नहीं है और आसमान पूरी तरह से साफ है। घाटी में बर्फबारी होने के बावजूद भी शहर में गर्मी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। मालवा के इस पठारी क्षेत्र में इन दिनों गर्मी का माहौल है।सुबह और शाम को ठंड का माहौल बनता है लेकिन दिन में उमस भरी गर्मी रहती है। कल शाम से मौसम में ऐसी करवट ली की रात में भी पसीने आने लगे। मौसम में आ रहे लगातार बदलाव के कारण स्वास्थ्य पर इसका विपरीत असर हो रहा है। सरकारी एवं निजी अस्पतालों में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सुबह और शाम के समय अभी भी ठंड अपना ऐसा कर रही है और गर्म कपड़े छोड़ने की इच्छा नहीं हो रही है। वेधशाला अधीक्षक राजेंद्र पी गुप्त ने इस बारे में बताया कि इस माह मौसम ऐसा ही रहेगा और जब तक घाटी में बर्फबारी बंद नहीं होती है सर्दी और गर्मी का मौसम आता जाता रहेग। घाटी में बर्फबारी जरूर हो रही है लेकिन नामी भरी हवाएं नहीं चलने से मालवा के पठारी क्षेत्र में ठंड का एहशाश नहीं हो रहा है। श्री गुप्त ने बताया कि पूर्वी मध्य प्रदेश में ओला बस्ती के आसार हैं और मौसम इस माह लगभग एक जैसा ही रहने का अंदेशा है।

खेत पर लहसुन उपज की रखवाली कर रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या

उज्जैन। अपने खेत पर लहसुन उपज की रखवाली कर रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामला जिले के भाटपचलाना थाना क्षेत्र के ग्राम बालोदा लक्खा का है। बताया गया है कि किसान का शव उसके खेत में ही मिला है। इस मामले में किसी करीबी का हाथ होने का ही शक जताया जा रहा है। घटना मंगलवार सुबह की है। किसान के सिर पर धारदार हथियार से प्रहार के निशान मिले हैं।पुलिस के अनुसार किसान का नाम किशन सिंह चावड़ा उम्र करीब 50 वर्ष है। उनका खेत उनके घर से

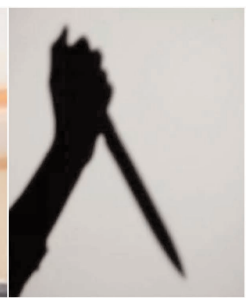

करीब एक किलोमीटर की दूरी पर है। चावड़ा उपज की रखवाली के लिए खेत पर ही सोते थे।बताया गया कि सुबह जब चावड़ा घर नहीं लौटे तो स्वजनों ने उनकी तलाश की। कुछ लोग जब खेत पर पहुंचे तो उन्हें खाट पर मृत पाया गया।किसान किशन सिंह चावड़ा घर से 1 किलोमीटर दूर खेत पर सोते थे। सुबह वे घर नहीं लौटे। परिवार के लोगों ने खेत पर जाकर देखा। वे खाट पर निढाल पड़े थे। उल्लेखनीय है किशनसिंह चावड़ा बड़नगर भारतीय किसान संघ की कार्यकारिणी के सदस्य थे। उनके दो बेटे हैं।

पदिय दायित्वों में लापरवाही बरतनें के कारण पंचायत सचिव बोड़ाना निलंबित

उज्जैन । जनपद पंचायत उज्जैन की ग्राम पंचायत झिरोलिया के सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में उपस्थित न होना, शासन की योजनाओं एवं सामुदायिक कार्यो का समय सीमा में निर्वहन नही करते हुए अपने पदिय दायित्वों का निर्वहन नही करनेके कारण पूर्व में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था। जवाब प्रस्तुत करने पर पाया गया कि जवाब का परीक्षण करने के लिये जनपद पंचायत उज्जैन को अभिमत प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया था। परीक्षण उपरांत पाया गया कि पंचायत सचिव दिनेश बोड़ाना द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरती जाकर स्वेच्छाचारिता की गई है। इसलिये जिला पंचायत सीईओ श्री मृणाल मीना ने मप्र पंचायत सेवा नियम में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंचायत सचिव श्री दिनेश बोड़ाना को पदीय दायित्वों के निर्वहन एवं शासकीय कार्य में लापरवाही के लिये तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। निलम्बन अवधि में श्री बोड़ाना का मुख्यालय जनपद पंचायत उज्जैन रहेगा और बिना पूर्व अनुमति प्राप्त किये मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी। जिला पंचायत सीईओ श्री मीना ने जनपद पंचायत उज्जैन के सीईओ को निर्देश दिये हैं कि श्री बोड़ाना नियमित रूप से मुख्यालय पर उपस्थित रहें।

पंचायत सचिव श्री बोड़ाना की निलम्बन अवधि के दौरान ग्राम पंचायत झिरोलिया के सचिवीय/वित्तीय प्रभार आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से ग्राम पंचायत सचिव उमरियाखालसा के सचिव श्री भंवरलाल बामनिया को स्वकार्य के साथ-साथ अतिरिक्त रूप से दायित्व सौंपा है। श्री दिनेश बोड़ाना के विरूध्द प्राप्त शिकायतो में उल्लेखित आरोंपो एवं तथ्यों की जांच आवश्यक होने से विभागीय जांच संस्थित की गई है। जनपद पंचायत उज्जैन सीईओ को जांचकर्ता एवं खंड पंचायत अधिकारी को प्रस्तुत कर्ता आधिकारी को नियुक्ति किया जाकर निर्देश दिया है कि श्री बोड़ाना के विरूध्द विधिवत रूप से विभागीय जांच कर प्रतिवेदन 15 दिवस में जिला पंचायत के कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए ताकि प्रकरण का अतिंम निराकरण किया जा सके।

पालतू कुत्ते से कटवाया

उज्जैन/ ग्राम फतेहाबाद में एक व्यक्ति ने अपने पालतू कुत्ते को छू लगाकर एक अन्य व्यक्ति को कटवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिंता गणेश के अंतर्गत ग्राम फतेहा बाद में अपने घर के सामने आतिश वर्षी ए मुकेश पिता शांतिलाल माली ने पालतू कुत्ते को छू लेगा कर 14 वर्षीय रवि पिता मुकेश माली को कटवा दिया है।

पांच सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पकड़ा

उज्जैन/ बीती रात शहर में पांच स्थानों पर सार्वजनिक रूप से शराब खोरी करते पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जीवाजी गंज के अंतर्गत पट्टी बाजार रोड के किनारे सार्वजनिक स्थान पर शराब पूरी करते हुए एक को पकड़ा है यह जानकारी उप निरीक्षक अनिल बैरागी ने दी। इसी प्रकार केडी गेट कलाली के पास थाने के प्रधान आरक्षक प्रवीण जाट बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शराब खोरी करते हुए एक को पकड़ा है। इसी प्रकार थाना चिमनगंज मंडी अंतर्गत सेंटपाल स्कूल के पास रोड किनारे सहायक उप निरीक्षक दिनेश सारोठिया ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने पर एक को पकड़ा है। इसी प्रकार उप निरीक्षक प्रियंका नायक में बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए एक को पकड़ा है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई

उज्जैन/ मंछामन कॉलोनी के चौराहे पर दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नील गंगा के अंतर्गत मंशा मैन कॉलोनी चौराहे पर 20 वर्षीय न्यू अशोक नगर के निवासी रोहित पिता दिनेश जटिया ने बताया कि दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई । इस घटना में किसी को चोट नहीं पहुंची।

कोट मोहल्ला में हुए विवाद में तीन घायल

उज्जैन/ कोट मोहल्ला के ईगल होटल तिराहे पर हुए विवाद में तीन घायल हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना महाकाल के अंतर्गत कोट मोहल्ला में ईगल होटल तिराहे पर हुए विवाद में 40 वर्षीय मोहम्मद सलीम पिता खरीफ उद्दीन ,फरहानुद्दीन पिता फरीदुद्दीन उम्र 35 वर्ष एवं इमरान पिताअब्बास अली उम्र 47 वर्ष घायल हो गए हैं।

आवश्यकता है

- न्यूज एंकर
- सोश्यल मीडिया हैंडलर
- कैमरा मैन
- रिपोर्टर

की तत्काल आवश्यकता है।

सैलरी योग्यतानुसार-

मोबाईल नं.-

94253 12555

फर्जी बीमा कर क्लेम की राशी हड़पने वाले आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। मृतक की फर्जी बीमा पॉलिसी कर एचडीएफसी इंश्योरेंस द्वारा अनियमितता पाये जाने पर उपभोक्ता फोरम में केस लगाने के बाद मिली राशि को धोखाधड़ी से अपने खाते में ट्रांसफर कराने के बाद बैंक से रुपये निकालने की शिकायत के बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 10 लाख से अधिक रुपये जब्त किये गये वहीं 6 लाख से अधिक रुपये बैंक खाते में होल्ड कराये गये हैं।

ग्राम सुनेरा जिला शाजापुर निवासी महिला द्वारा एक शिकायती आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक उज्जैन के समक्ष उपस्थित होकर महिला के पति की मृत्यु के बाद उनकी पालिसी की राशि 26,44,000/- रुपये का चेक दूसरे व्यक्ति को देने एवं उक्त बीम राशी का आहरण अन्य व्यक्तियों द्वारा कर धोखाधड़ी करने के संबंध में प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी द्वारा उक्त आवेदन की जांच एएसपी पश्चिम गुरु प्रसाद पाराशर एवं एएसपी पूर्व जयंत सिंह राठौर के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अनुभाग माधवनगर दीपिका शिंदे को सौंपी गई। जांच दौरान पाए गये तथ्यों के आधार पर थाना माधवनगर पर अपराध क्रमांक 161/2024 धारा 419, 420, 467, 468, 47, 134 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना माधवनगर टीम को तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने और क्लेम की गई बीमा राशी 10,50000/- रूपये जप्त किए गये है। पूरे मामले में पुजा चौहान पति अनिल चौहान उम्र 32 साल निवासी बरोठा हाल मु. सीया देवास, धर्मेद्र पिता कमलसिह सिसोदिया उम्र 32 साल निवासी ग्रांम दोन्ता थाना मक्सी, विनोद पिता अरुण उदासी उम्र 38 साल निवासी ग्राम सुनेरा शाजापुर गिरफ्त में आए।

मुद्रक, प्रकाशन, **प्रधान संपादक-घनश्याम पटेल** द्वारा 97 ए, निकास रोड़ उज्जैन से प्रकाशित व भगवती ऑफसेट 44,बहादुरगंज उज्जैन से मुद्रित,फोन-0734-4218273, इंदौर कार्यालय सी-4/2 ओल्ड पलासिया पी.डब्ल्यू.डी. बंगला-18,इंदौर। फोन-0731-4239766,Email-shabdsaroverindujjain@gmail.com,आर.एन.आई.नं.56481/92, पो.रजि.नं.- एल-2/65/आरपीएन/390/2023-2025, **स्थानीय संपादक-जोगेश गोविंदानी।(समाचार चयन के लिए पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)।**